Seventeenth Loksabha

>

Title: Regarding cutting tree by forest mafia.

श्री दुर्गा दास उइके (बैतूल): आदरणीय सभापति जी, मैं आपका आभार व्यक्त करता हूं कि आपने लोक हित के मुद्दे पर अपने विचारों की अभिव्यक्ति का अवसर प्रदान किया है । मेरा लोक सभा क्षेत्र मध्य प्रदेश में सतपुड़ा की सुरम्य वादियों में स्थित है । समूचा क्षेत्र इमारती लकड़ियों, सागौन, शीशम से लेकर दुर्लभ वन औषधियों के लिए प्रसिद्ध है ।

माननीय सभापति जी, मेरा लोक सभा क्षेत्र जनजाति वर्ग के लिए आरक्षित है । लंबे अर्से से वन माफियाओं द्वारा धड़ल्ले से चोरी-छिपे वनों को नष्ट किया जा रहा है ।

भारी क्षति पहुंचाई जा चुकी है, ऊंची-ऊंची पर्वत श्रेणियां वृक्षों से मुक्त हो चुकी हैं । मैं आपके माध्यम से केन्द्रीय वन मंत्रालय से प्रार्थना करता हूं कि वन माफिया के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए ।

मैं आपके माध्यम से भारत सरकार को सुझाव देना चाहता हूं कि वन संरक्षण व अभिवर्धन की दिशा में आगामी 10 वर्षों तक शासकीय स्तर पर वनों की कटाई पर रोक लगाने की आवश्यकता है ताकि वन नैसर्गिक रूप से पल्लिवत, पुष्पित और विकसित हो सके जिससे मानव जीवन और प्राकृतिक संसाधनों को बचाया जा सके । सभापति जी आपने मुझे बोलने का अवसर दिया, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद । जय हिन्द, जय भारत ।

माननीय सभापति: माननीय सदस्यगण, शून्य प्रहर में काफी संख्या में माननीय सदस्य बोलना चाहते हैं, कृपा करके 1 मिनट में अपनी बात पूरा करें, केवल एक मिनट में अपनी बात कहें नहीं तो मैं दूसरा नाम बोलूंगा ।